जीभ के शक्ति

पंचतंत्र

एहि सभक द्वारा गैर-यहूदी सभक द्वीप सभ अपन देश मे बँटल छल। प्रत्येक अपन-अपन भाषाक अनुसार, अपन-अपन परिवारक अनुसार, अपन-अपन जाति मे। ई सभ हामक पुत्र सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार, अपन भाषाक अनुसार, अपन देश आ अपन जाति मे अछि। ई सभ शेमक पुत्र सभ अपन कुल-परिवारक अनुसार, अपन भाषाक अनुसार, अपन देश मे, अपन जाति मे अछि। उत्पत्ति १०:५,२०,३१

मूसा परमेश् वर कैँ कहलथिन, “हे हमर प्रभु, हम वाक्पटु नहि छी आ ने एखन धरि आ ने जखन अहाँ अपन सेवक सँ गप्प केने छी। परमेश् वर हुनका कहलथिन, “मनुष् यक मुँह के बनौने अछि?” की गूंगा, वा बहीर, वा देखनिहार वा आन्हर कैँ के बनबैत अछि? की हम परमेश् वर नहि छी? निष्कासन 4:10-11

मुदा इस्राएलक कोनो लोक पर कुकुर अपन जीह नहि हिलाओत, मनुक्ख वा जानवर पर, जाहि सँ अहाँ सभ ई जानि सकब जे परमेश् वर मिस्र आ इस्राएल मे कोना भेद करैत छथि। निष्कासन 11:7

किएक तँ अहाँ सभ किछुक प्रचुरताक कारणेँ अहाँ अपन परमेश् वर परमेश् वरक सेवा हर्ष आ हृदयक आनन्द सँ नहि केलहुँ। तेँ अहाँ अपन शत्रु सभक सेवा करब जे परमेश् वर अहाँक विरुद्ध पठौताह, भूख, प्यास, नंगटे आ सभ किछुक अभाव मे, आ ओ अहाँक गला मे लोहाक जुआ लगाओत, जाबत धरि ओ अहाँ कैँ नष्ट नहि कऽ देत। परमेश् वर दूर-दूर सँ, पृथ् वीक छोर सँ, गरुड़ उड़ैत जेकाँ तेज अछि, अहाँ सभक विरुद्ध एकटा जाति अनताह। एहन जाति जकर भाषा अहाँ नहि बुझब। व्यवस्था 28:47-49

इतिहास

सभ लोक शान्तिपूर्वक मकेदा मे यहोशूक डेरा मे घुरि गेलाह। यहोशू 10:21

ओ लोक सभ कैँ पानि लग अनलनि, तखन परमेश् वर गिदोन कैँ कहलथिन, “जे केओ अपन जीह सँ पानि मे कूदैत अछि, जेना कुकुरक कूड़ा-करकट करैत अछि, ओकरा अहाँ अपना मे राखि दियौक। तहिना जे केओ पीबाक लेल ठेहुन पर झुकि जाइत अछि। न्यायाधीश 7:5

परमेश् वरक आत् मा हमरा द्वारा बाजल, आ हुनकर वचन हमर जीह मे छल। इस्राएलक परमेश् वर कहलथिन, इस्राएलक चट्टान हमरा सँ बाजल, “जे मनुष् य पर राज करैत अछि, तकरा परमेश् वरक भय मे शासन करबाक चाही।” 2 शमूएल 23:2-3

अर्तजर्जसक समय मे बिश्लाम, मिथ्रेदाथ, ताबील आ ओकर सभक संगी सभ कैँ फारसक राजा अर्तजर्सा कैँ पत्र लिखि देलथिन। पत्रक लेखन सीरियाई भाषा मे लिखल गेल छल आ ओकर व्याख्या सीरियाई भाषा मे कयल गेल छल। एज्रा 4:7

हम आ हमर लोक, हम सभ बेचि गेल छी, जे नष्ट भ' जायब, मारल जाय आ नाश भ' जाय। मुदा जँ हम सभ दास-दासीक लेल बिका गेल रहितहुँ तँ हम अपन जीह पकड़ने रहितहुँ, यद्यपि दुश्मन राजाक क्षतिक प्रतिकार नहि क' सकल । एज्रा 7:4

शायरी

अहाँ जीभक कोड़ा सँ नुकायल रहब, आ जखन ओ विनाश आओत तखन अहाँ विनाश सँ डरब नहि। अय्यूब 5:21

हमरा सिखाउ, हम अपन जीह पकड़ि लेब, आ हमरा बुझा देब जे हम कोन बात मे गलती केलहुँ। अय्यूब 6:24

हमर जीह मे अधर्म अछि की? हमर स्वाद विकृत बात कें नहि बुझि सकैत अछि? अय्यूब 6:30

के अछि जे हमरा सँ निहोरा करत? आब जँ जीह पकड़ि लेब तँ भूत-प्रेत छोड़ि देब। अय्यूब 13:19

किएक तँ तोहर मुँह तोहर अधर्म बजबैत छौ आ धूर्त लोकक जीह चुनैत छह। अय्यूब 15:5

भलें दुष्टता ओकर मुँह मे मीठ हो, भले ओ ओकरा अपन जीह नीचाँ नुका लैत अछि। अय्यूब २०:१२

ओ गांडक जहर चूसि लेत, साँपक जीह ओकरा मारि देतैक। अय्यूब 20:16

हमर ठोर अधलाह नहि बाजत आ ने हमर जीह कोनो छल-प्रपंच करत। अय्यूब 27:4

कुलीन लोकनि चुप रहलाह आ हुनका लोकनिक जीह मुँहक छत पर चिपकल छलनि। अय्यूब 29:10

देखू, आब हम अपन मुँह खोललहुँ, हमर जीह मुँह मे बाजि गेल अछि। अय्यूब 33:2

की अहाँ हुक सँ लेवियथन निकालि सकैत छी? आकि ओकर जीह ओहि डोरी सँ जकरा अहाँ नीचाँ छोड़ि दैत छी? अय्यूब 41:1

कारण, हुनका सभक मुँह मे कोनो विश् वास नहि अछि। हुनका लोकनिक भीतरक भाग बहुत दुष्टता छनि; हुनका लोकनिक कंठ खुजल कब्र अछि। जीहसँ चापलूसी करैत छथि। भजन 5:9

ओकर मुँह गारि-गरौबलि आ धोखा आ धोखाधड़ी सँ भरल छैक, जीहक नीचाँ बदमाशी आ आडंबर छैक। भजन 10:7

प्रभु सभ चापलूसी करय बला ठोर आ घमंडी बात बजनिहार जीह कें काटि देताह: भजन 12:3

ओ सभ कहने छथि जे हम सभ अपन जीह सँ जीतब। हमर सभक ठोर हमर सभक अछि, हमरा सभक प्रभु के अछि? भजन 12:4

जे अपन जीह सँ पीछा नहि करैत अछि आ ने अपन पड़ोसी कें अधलाह करैत अछि आ ने अपन पड़ोसी कें अपमानित करैत अछि। भजन 15:3

हमर ताकत घैल जकाँ सुखि गेल अछि; हमर जीह हमर जबड़ा सँ चिपकल अछि। आ अहाँ हमरा मृत्युक धूरा मे लऽ गेलहुँ। भजन 22:15

मनुष् यक घमंड सँ ओकरा सभ केँ अपन सान्निध्यक गुप्त मे नुका कऽ राखब। भजन 31:20

अपन जीह केँ अधलाह सँ बचाउ, आ ठोर केँ धोखा बजबा सँ बचाउ। भजन 34:13

हमर जीह भरि दिन अहाँक धार्मिकता आ अहाँक स्तुतिक विषय मे बाजत। भजन 35:28

धर्मी के मुँह बुद्धि बजै छै आ ओकर जीह न्याय के बात करै छै। भजन 37:30

(मुख्य संगीतकार केँ, जेदुथुन केँ, दाऊदक भजन।) हम कहलियनि, "हम अपन बाट पर सावधान रहब, जाहि सँ हम अपन जीह सँ पाप नहि करब। भजन 39:1

हमर मोन हमरा भीतर गरम छल, जखन हम चिंतन करैत छलहुँ जे आगि जरि गेल, तखन हम अपन जीह सँ बजलहुँ, भजन 39:3

(शोशनिम पर मुख्य संगीतकार केँ, कोरहक पुत्र सभक लेल, मस्चिल, प्रेमक गीत।) हमर मोन एकटा नीक बात केँ इशारा क' रहल अछि: हम ओहि बात सभक बात करैत छी जे हम राजा केँ छूबि क' बनौने छी, हमर जीह एकटा तैयार लेखकक कलम अछि। भजन 45:1

अहाँ अपन मुँह अधलाह केँ दैत छी, आ अहाँक जीह छल-प्रपंच बनबैत अछि। भजन 50:19

हे परमेश् वर, हे हमर उद्धारक परमेश् वर, हमरा खूनक अपराध सँ मुक्त करू। भजन 51:14

तोहर जीह अधलाहक कल्पना करैत अछि। तेज रेजर जकाँ, छल-कपट काज करैत। भजन 52:2

अहाँ सब भक्षक वचन सँ प्रेम करैत छी, हे छलक जीह। भजन 52:4

हे प्रभु, ओकरा सभक जीह केँ नष्ट करू, आ ओकरा सभक जीह केँ बाँटि दियौक, किएक तँ हम नगर मे हिंसा आ झगड़ा देखलहुँ। भजन 55:9

हमर प्राण सिंहक बीच अछि, आ हम आगि लगाओल गेल लोकक बीच मे पड़ल छी, मनुष्यक बेटा सभक बीच, जकर दाँत भाला-बाण आ जीह तेज तलवार अछि। भजन 57:4

जे अपन जीह तलवार जकाँ तेज करैत छथि, आ धनुष मोड़ैत छथि जे अपन तीर चलाबथि, कटु शब्द सेहो: भजन 64:3

तेँ ओ सभ अपन जीह केँ अपना पर खसि लेत, जे सभ ओकरा सभ केँ देखैत अछि, से सभ भागि जायत। भजन 64:8

हम मुँह सँ हुनका पुकारलियैन, आ हमर जीह सँ हुनकर प्रशंसा कयल गेलनि। भजन 66:17

ताकि तोहर पएर तोहर शत्रु सभक खून मे डूबि जाय आ तोहर कुकुरक जीह ओहि मे डुबकी लगाओल जाय। भजन 68:23

हमर जीह सेहो दिन भरि अहाँक धार्मिकताक गप्प करैत रहत, किएक तँ ओ सभ लज्जित भऽ जाइत अछि, किएक तँ ओ सभ लज्जित भऽ जाइत अछि जे हमर क्षति चाहैत अछि। भजन 71:24

ओ सभ अपन मुँह आकाश दिस लगा दैत अछि आ ओकर जीह पृथ् वी पर चलैत अछि। भजन 73:9

तैयो ओ सभ हुनका मुँह सँ चापलूसी कयलनि आ जीह सँ हुनका संग झूठ बाजि रहल छलाह। भजन 78:36

किएक तँ दुष् ट आ ठगक मुँह हमरा विरुद्ध खुजल अछि। भजन 109:2

हमर जीह अहाँक वचन पर बाजत, किएक तँ अहाँक सभ आज्ञा धार्मिकता अछि। भजन 119:172

हे परमेश् वर, हमर प्राण केँ झूठ बाजऽ वला ठोर सँ आ ठक जीह सँ बचाउ। भजन 120:2

अहाँ केँ की देल जायत? हे झूठ जीभ, तोरा की कयल जायत? भजन 120:3

तखन हमरा सभक मुँह हँसी सँ भरि गेल आ जीह गान सँ भरल। भजन 126:2

जँ हम अहाँक स्मरण नहि करब तँ हमर जीह मुँहक छत पर चिपकय। जँ हम अपन मुख्य आनन्द सँ यरूशलेम नहि पसिन करैत छी। भजन 137:6

हमर जीह मे एकोटा शब्द नहि अछि, बल् कि देखू, हे प्रभु, अहाँ एकरा एकदम सँ जनैत छी। भजन 139:4

साँप जकाँ जीह तेज कएने छथि। एडर्स के जहर ठोर के नीचा छै। सेलाह। भजन 140:3

एहि छह टा बात सँ परमेश् वर घृणा करैत छथि, हँ, सातटा हुनका लेल घृणित बात छनि, घमंडी नजरि, झूठ बाजनिहार जीह आ निर्दोष खून बहाबय बला हाथ, दुष्ट कल्पनाक कल्पना करयवला हृदय, दुष्टता मे दौड़य बला पैर, झूठ बाजनिहार झूठ गवाह आ भाइ सभक बीच विवाद बीजनिहार। नीतिवचन 6:16-19

दुष्ट स्त्री सँ, परदेशी स्त्री के जीह के चापलूसी सँ तोरा बचाबय लेल। नीतिवचन 6:24

धर्मी के जीह चानी के समान छै, दुष्ट के दिल के मोल कम छै। नीतिवचन 10:20

धर्मी के मुँह सँ बुद्धि निकलै छै, लेकिन कनफुसकी वाला जीह काटलऽ जैतै। नीतिवचन 10:31

तलवारक छेद जकाँ बजैत अछि, मुदा बुद्धिमानक जीह स्वास्थ्य होइत छैक। नीतिवचन 12:18

सत्यक ठोर सदाक लेल स्थिर रहत, मुदा झूठ बाजबला जीह क्षण भरि लेल अछि। नीतिवचन 12:19

ज्ञानी के जीह ज्ञान के सही उपयोग करै छै, लेकिन मूर्ख के मुँह मूर्खता के बहाबै छै। नीतिवचन 15:2

स्वस्थ जीह जीवनक गाछ अछि, मुदा ओहि मे विकृतता आत् मा मे विकृति अछि। नीतिवचन 15:4

मनुष् य मे हृदयक तैयारी आ जीहक उत्तर परमेश् वरक दिस सँ अछि। नीतिवचन 16:1

दुष्ट कर्ता झूठ ठोर पर ध्यान दैत अछि। झूठ बाजनिहार नटखट जीह पर कान दैत अछि। नीतिवचन 17:4

जेकर मन मे कनखी होइत छैक, ओकरा कोनो नीक नहि भेटैत छैक, आ जे विकृत जीह छैक, से दुष्टता मे पड़ि जाइत छैक। नीतिवचन 17:20

मृत्यु आ जीवन जीभक सामर्थ्य मे अछि, आ जे एकरा प्रेम करैत अछि से ओकर फल खा लेत। नीतिवचन 18:21

झूठ जीह सॅं खजाना भेटब मृत्युक खोज करय बला लोकक एम्हर-ओम्हर उछालल आडंबर थिक । नीतिवचन 21:6

जे अपन मुँह आ जीह राखैत अछि, से अपन प्राण केँ विपत्ति सँ बचाबैत अछि। नीतिवचन 21:23

चिर सहनशीलता सँ राजकुमार केँ मनाओल जाइत छैक, आ कोमल जीह हड्डी केँ तोड़ि दैत छैक। नीतिवचन 25:15

उत्तरक हवा बरखा केँ भगा दैत अछि, तहिना क्रोधित चेहरा पाछू-पाछू काटय बला जीह। नीतिवचन 25:23

झूठ बाजऽ वला जीह ओकरा सँ पीड़ित लोक सभ सँ घृणा करैत अछि। आ चापलूसी करय बला मुँह विनाश करैत अछि। नीतिवचन 26:28

जे बाद मे मनुष् य केँ डाँटत, ओकरा जीह सँ चापलूसी करयवला सँ बेसी अनुग्रह भेटतैक। नीतिवचन 28:23

ओ बुद्धि सँ मुँह खोलैत छथि। ओकर जीह मे दयाक नियम छैक। नीतिवचन 31:26

हे हमर जीवनसाथी, अहाँक ठोर मधुक छत्ता जकाँ खसि पड़ैत अछि, मधु आ दूध अहाँक जीहक नीचाँ अछि। आ तोहर वस्त्रक गंध लेबनानक गंध जकाँ अछि। गीत 4:11

भविष्यवक्ता

यरूशलेम बर्बाद भऽ गेल अछि आ यहूदा पतित भऽ गेल अछि, किएक तँ ओकर सभक जीह आ ओकर सभक काज परमेश् वरक विरोध मे अछि, जाहि सँ हुनकर महिमा केँ आक्रोशित कयल जा सकय। यशायाह 3:8

परमेश् वर मिस्रक समुद्रक जीह केँ पूर्ण रूप सँ नष्ट कऽ देताह। ओ अपन प्रचंड हवा सँ नदी पर हाथ हिलाओत आ ओकरा सात धार मे मारि देत आ मनुष्य केँ सूखल पाँति पार कऽ देत। यशायाह ११:१५

किएक तँ ओ हकलाइत ठोर आ दोसर जीहसँ एहि लोक सभसँ बाजत। यशायाह 28:11

देखू, परमेश् वरक नाम दूर सँ आबि रहल अछि, ओकर क्रोध सँ जरैत अछि, आ ओकर बोझ भारी अछि, ओकर ठोर आक्रोश सँ भरल अछि, आ ओकर जीह भस्म करय बला आगि जकाँ: यशायाह 30:27

दाहक हृदय सेहो ज्ञान बुझत आ हकलानिहारक जीह साफ-साफ बजबाक लेल तैयार रहत। यशायाह 32:4

अहाँ कोनो उग्र लोक नहि देखब, जे अहाँ केँ बुझबा मे अबैत अछि, ताहि सँ बेसी गहींर वाणीक लोक। हकलाइत जीहक, जे अहाँ नहि बुझि सकैत छी। यशायाह 33:19

तखन लंगड़ा हटका जकाँ कूदत आ गूंगाक जीह गाओत, कारण जंगल मे पानि निकलत आ मरुभूमि मे धार निकलत। यशायाह 35:6

जखन गरीब आ गरीब पानि ताकत, आ पानि नहि रहत, आ ओकर जीह प्यास सँ क्षीण भ' जायत, तखन हम परमेश् वर हुनका सभक बात सुनब, हम इस्राएलक परमेश् वर हुनका सभ केँ नहि छोड़ब। यशायाह 41:17

हम अपन शपथ खा लेने छी, हमर मुँह सँ धार्मिकता मे ई वचन निकलि गेल अछि, आ घुरि कऽ नहि आओत, जे हमरा सामने सभ ठेहुन प्रणाम करत, सभ जीह शपथ करत।" यशायाह 45:23

प्रभु परमेश् वर हमरा विद्वानक जीह देने छथि, जाहि सँ हम थकल लोक केँ समय मे एक शब्द बाजब बुझि सकब। यशायाह ५०:४

अहाँक विरुद्ध जे कोनो हथियार बनल अछि, से कोनो शस्त्र सफल नहि होयत। आ न्याय मे जे कोनो जीह अहाँक विरुद्ध उठत, तकरा अहाँ दोषी ठहराएब।" ई परमेश् वरक सेवक सभक धरोहर अछि, आ ओकर सभक धार्मिकता हमरा सँ अछि, ई परमेश् वर कहैत छथि। यशायाह 54:17

अहाँ सभ केकरा संग खेलाइत छी? केकरा पर मुँह चौड़ा कऽ जीह निकालब? की अहाँ सभ अपराधक संतान नहि छी, जे झूठक वंशज छी, यशायाह 57:4

किएक तँ अहाँक हाथ खूनसँ अशुद्ध अछि आ अधर्मसँ अहाँक आँगुर अशुद्ध अछि। तोहर ठोर झूठ बाजल, तोहर जीह विकृतता बड़बड़ा गेल। यशायाह 59:3

हम हुनका सभक काज आ विचार केँ जनैत छी। ओ सभ आबि कऽ हमर महिमा देखताह।" यशायाह 66:18

ओ सभ झूठक लेल धनुष जकाँ जीह मोड़ैत अछि, मुदा पृथ् वी पर सत्यक लेल ओ सभ वीर नहि अछि। किएक तँ ओ सभ अधलाहसँ अधलाह दिस बढ़ैत अछि, मुदा हमरा नहि चिन्हैत अछि, परमेश् वर कहैत छथि। ओ सभ अपन-अपन पड़ोसी केँ धोखा देत, आ सत् य नहि बाजत। यिर्मयाह 9:3,5

हुनका लोकनिक जीह ओहिना अछि जेना बाण बाहर निकलि गेल हो; धोखा बजैत अछि, मुँह सँ अपन पड़ोसी सँ शान्तिपूर्वक बात करैत अछि, मुदा हृदय मे प्रतीक्षा करैत अछि। यिर्मयाह 9:8

तखन ओ सभ कहलथिन, "आउ, यिर्मयाहक विरुद्ध योजना बनाबी। कारण, धर्म-नियम पुरोहितक दिस सँ नहि खतम होयत, आ ने ज्ञानी सभक सलाह आ ने भविष्यवक्ता द्वारा वचन। आऊ, ओकरा जीह सँ मारि दियौक, आ ओकर कोनो बात पर ध्यान नहि दियौक। यिर्मयाह 18:18

हमर बात आगि जकाँ नहि अछि? परमेश् वर कहैत छथि। आ हथौड़ा जकाँ जे पाथर केँ टुकड़ा-टुकड़ा क' दैत अछि? तेँ देखू, हम ओहि भविष्यवक्ता सभक विरोध मे छी, जे सभ अपन-अपन पड़ोसी सँ हमर बात चोरा लैत छथि। देखू, हम ओहि भविष्यवक्ता सभक विरोध मे छी, जे सभ अपन भाषाक प्रयोग करैत छथि आ कहैत छथि जे, "ओ कहैत छथि।" देखू, हम ओहि सभक विरोध मे छी जे झूठ सपना पर भविष्यवाणी करैत अछि आ ओकरा सभ केँ कहैत अछि आ हमर लोक केँ अपन झूठ आ हल्लुकता सँ भ्रमित करैत अछि। तैयो हम ओकरा सभ केँ नहि पठौलहुँ आ ने ओकरा सभ केँ आज्ञा देलहुँ, तेँ एहि लोक सभ केँ कोनो फायदा नहि होयत।" यिर्मयाह 23:29-32

चूसैत बच्चाक जीह प्यासक कारणेँ ओकर मुँहक छत पर चिपकल रहैत छैक, छोट-छोट बच्चा सभ रोटी माँगैत छैक, आ केओ ओकरा सभ केँ नहि तोड़ैत छैक। विलाप 4:4

हम तोहर जीह केँ मुँहक छत पर चिपका देब जे अहाँ गूंगा बनि जायब आ ओकरा सभक लेल डाँटयवला नहि बनब, किएक तँ ओ सभ विद्रोही घर अछि। इजकिएल 3:26

बच्चा सभ जिनका मे कोनो दोष नहि छलनि, मुदा नीक अनुग्रहित, सभ बुद्धि मे निपुण, आ ज्ञान मे धूर्त, आ विज्ञान केँ बुझनिहार, आ एहन बच्चा सभ जेकरा मे राजाक महल मे ठाढ़ हेबाक क्षमता छलनि, आ जिनका ओ सभ कसदी सभक विद्या आ जीह सिखा सकैत छलाह। दानियल 1:4

ओ सभ घुरैत अछि, मुदा परमेश् वरक लग नहि, ओ सभ छल-प्रपंचक धनुष जकाँ अछि, ओकर सभक मुखिया सभ ओकर सभक जीहक क्रोधक कारणेँ तलवार सँ खसि पड़तैक। होशे 7:16

एक आदमीक काका ओकरा आ जरेनिहार केँ घर सँ हड्डी निकालबाक लेल उठाओत आ घरक कात मे रहनिहार केँ कहथिन जे, "अहाँक संग एखन धरि कियो अछि?" ओ कहताह, 'नहि। आमोस 6:10

किएक तँ ओहि ठामक धनी लोक सभ हिंसासँ भरल अछि आ ओहि ठामक निवासी सभ झूठ बाजैत अछि आ ओकर सभक मुँह मे जीह छल। मीका 6:12

अहाँ अधलाह केँ देखबा सँ बेसी शुद्ध आँखिक छी आ अधर्म केँ नहि देखि सकैत छी। हबक्कूक 1:13

इस्राएलक शेष लोक अधर्म नहि करत आ ने झूठ बाजत। आ ने हुनका सभक मुँह मे छल-प्रपंचक जीह भेटत, किएक तँ ओ सभ भोजन करत आ लेटत, आ केओ ओकरा सभ केँ डराओत। सफनिया 3:13

ई ओ विपत्ति होयत जाहि सँ परमेश् वर यरूशलेम सँ लड़निहार सभ लोक केँ मारि देताह। पएर पर ठाढ़ रहैत ओकर मांस भस्म भ' जेतै, आँखि ओकर छेद मे खतम भ' जायत आ ओकर जीह मुँह मे समाप्त भ' जायत। जकरयाह 14:12

सुसमाचार पत्र

ओ ओकरा भीड़ मे सँ अलग कऽ कऽ कान मे आँगुर दऽ देलक आ थूक फेकि कऽ ओकर जीह छूबि लेलक। मरकुस 7:33 मे

तुरन्त हुनकर कान खुजि गेलनि आ जीहक डोरी ढीला भ' गेलनि आ ओ साफ-साफ बाजि उठलाह। मरकुस 7:35 मे

विश् वास करयवला सभक पाछाँ ई सभ चिन् ह। हमर नाम पर ओ सभ दुष् टात् मा सभ कैँ भगाओत। ओ सभ नव भाषा मे बाजत। मरकुस 16:17

तुरन्त हुनकर मुँह खुजि गेलनि आ जीह खुजि गेलनि आ ओ बाजल आ परमेश् वरक स्तुति कयलनि। लूका 1:64

ओ चिचिया कऽ कहलथिन, "पिता अब्राहम, हमरा पर दया करू आ लाजर कैँ पठा दियौक जे ओ अपन आँगुरक नोक पानि मे डुबा कऽ हमर जीह ठंढा करथि। कारण हम एहि ज्वाला मे सताओल गेल छी। लूका 16:24

यरूशलेम मे भेँड़ाक बजारक कात मे एकटा पोखरि अछि, जकरा हिब्रू भाषा मे बेथेस्दा कहल जाइत अछि, जकर पाँचटा ओसारा अछि। यूहन्ना 5:2

प्रेरितों के कार्य

यरूशलेम मे रहनिहार सभ लोक कैँ ई बात पता चललनि। एतेक धरि जे ओहि खेत कैँ हुनका लोकनिक उचित भाषा मे एसेल्डमा अर्थात् खूनक खेत कहल जाइत छैक | प्रेरितों के काम 1:19

आगि जकाँ फाटल जीह हुनका सभ कैँ देखा पड़लनि आ ओ सभ हुनका सभ मे सँ एक-एकटा पर बैसल। ओ सभ पवित्र आत् मा सँ भरि गेलाह आ आत् मा हुनका सभ कैँ बजबाक अनुसार आन-आन भाषा मे बाजय लगलाह। हम सभ कोना अपन-अपन भाषा मे सुनैत छी जाहि मे हम सभ जन्म लेलहुँ? क्रेते आ अरबी, हम सभ ओकरा सभ कैँ अपन भाषा मे परमेश् वरक अद्‌भुत काज बजबैत जरूर सुनैत छी। प्रेरितों के काम २:३-४,८,११

दाऊद हुनका विषय मे कहैत छथि, "हम प्रभु कैँ सदिखन अपन मुँह सँ पहिने देखैत छलहुँ, कारण ओ हमर दहिना कात छथि, जाहि सँ हम नहि हिलब। हमर शरीर सेहो आशा मे आराम करत, किएक तँ अहाँ हमर प्राण कैँ नरक मे नहि छोड़ब आ ने अपन पवित्र कैँ विनाश देखय देब। प्रेरितों के काम 2:25-27

ओ सभ ओकरा सभ कैँ अनजान भाषा मे बजैत आ परमेश् वरक आदर करैत सुनलनि। तखन पत्रुस उत्तर देलथिन, "की केओ पानि सँ मना क' सकैत अछि जे हमरा सभ जकाँ पवित्र आत्मा कैँ ग्रहण कयलनि अछि?" प्रेरितों के काम १०:४६-४७

पौलुस हुनका सभ पर हाथ राखि कऽ पवित्र आत् मा हुनका सभ पर आबि गेलाह। ओ सभ अनजान भाषा मे बजैत छलाह आ भविष्यवाणी करैत छलाह। प्रेरितों के काम 19:6

जखन ओ हुनका लाइसेंस दऽ देलथिन तखन पौलुस सीढ़ी पर ठाढ़ भऽ लोक सभ कैँ हाथ सँ इशारा कयलनि। जखन बड़का चुप भ' गेलै त' ओ हुनका सभ सँ इब्रानी भाषा मे बजलाह, "प्रेरित 21:40।"

(जखन ओ सभ सुनलनि जे ओ हुनका सभ सँ हिब्रू भाषा मे बाजि रहल छथि, तखन ओ सभ आओर चुप भ' गेलाह

जखन हम सभ पृथ् वी पर खसि पड़लहुँ तँ हमरा एकटा आवाज सुनलहुँ जे इब्रानी भाषा मे कहैत छल, “साउल, साउल, अहाँ हमरा किएक सताबैत छी?” तोरा चुभन पर लात मारब कठिन अछि। प्रेरितों के काम 26:14

पत्र

हुनका लोकनिक कंठ खुजल कब्र अछि; अपन जीह सँ छलक प्रयोग केने छथि। एस्प के जहर हुनका सभक ठोर के नीचा अछि: रोमियो 3:13

धर्मशास्त्र मे लिखल अछि, “जखन हम जीबैत छी, प्रभु कहैत छथि, सभ ठेहुन हमरा प्रणाम करत आ सभ जीह परमेश् वरक समक्ष स्वीकार करत।” रोमियो 14:11

दोसर केँ चमत्कार करब। दोसर भविष्यवाणी पर; दोसर आत् माक विवेकक लेल; दोसर केँ गोताखोर तरहक भाषा; दोसर केँ भाषाक व्याख्या: परमेश् वर मण् डली मे किछु गोटे केँ ठाढ़ कयलनि अछि, पहिने प्रेरित, गौण भविष्यवक्ता, तेसर शिक्षक, तकर बाद चमत्कार, फेर चंगाईक वरदान, सहायक, सरकार, विभिन्न भाषाक वरदान। की चंगाई के सब वरदान छै? की सब दोसर भाषा मे बजैत अछि? सब व्याख्या करैत छथि? मुदा नीक-नीक वरदानक लालसा राखू, मुदा हम अहाँ सभ केँ एहि सँ बेसी नीक बाट देखा रहल छी। 1 कोरिन्थी 12:10,28,30-31

हम मनुष् य आ स् वर्गदूतक भाषा मे बजैत छी आ प्रेम नहि करैत छी, मुदा हम बाजैत पीतल वा झंझरी जकाँ बनि गेल छी। प्रेम कहियो क्षीण नहि होइत अछि, मुदा भविष्यवाणीक बात भऽ जायत, ओ सभ खत्म भऽ जायत। जँ भाषा सभ अछि तँ ओ सभ समाप्त भऽ जायत। ज्ञान हो या नहि, ओ विलुप्त भऽ जायत। 1 कोरिन्थी 13:1,8

1 कोरिन्थी 14
1 प्रेमक अनुसरण करू आ आत् मिक वरदानक इच्छा करू, बल् कि अहाँ सभ भविष्यवाणी करबाक लेल।
2 जे अनजान भाषा मे बजैत अछि से मनुष् य सँ नहि, बल् कि परमेश् वर सँ बजैत अछि। मुदा ओ आत् मा मे रहस्य बजैत छथि।
3 मुदा जे परमेश् वर परमेश् वरक परमेश् वरक बात करैत अछि, से मनुष् यक संग बजैत अछि जे ओकरा बढ़ाबऽ, उपदेश आ सान्त्वना देल जाय।
4 जे अनजान भाषा मे बजैत अछि, से अपना केँ सुदृढ़ करैत अछि। मुदा जे भविष्यवाणी करैत अछि, से मण् डली केँ सुदृढ़ करैत अछि।
5 हम चाहैत छी जे अहाँ सभ दोसर भाषा मे बाजब, बल् कि अहाँ सभ परमेश् वरक प्रचार-प्रसार करब, किएक तँ जे परमेश् वर परमेश् वरक गप्प-सप्प करैत अछि, ताहि सँ पैघ अछि जे ओ सभ अन् य भाषा मे बाजैत अछि, जाबत तक ओ व्याख्या नहि करैत अछि, जाहि सँ मण् डली केँ बढ़यबाक मौका भेटय।
6 भाइ लोकनि, जँ हम अहाँ सभ लग दोसर भाषा मे बजैत आबि जायब तँ हमरा अहाँ सभ केँ की फायदा होयत, जखन कि हम अहाँ सभ सँ या तऽ प्रगटीकरण द्वारा वा ज्ञान द्वारा, वा भविष्यवाणी द्वारा वा शिक्षा द्वारा नहि बाजब?
7 बिना जीवन देनिहार वस्तु सभ, चाहे ओ नली हो वा वीणा, जँ आवाज मे कोनो भेद नहि करत, तखन ई कोना पता चलत जे की बजाओल जाइत अछि वा वीणा?
8 जँ तुरही अनिश्चित आवाज देत तँ युद्धक लेल के तैयार करत?
9 तहिना अहाँ सभ जँ जीह सँ सहज बात नहि बाजब, तखन ई कोना बुझल जायत जे की कहल गेल अछि? किएक तँ अहाँ सभ हवा मे बाजब।”

10 भऽ सकैत अछि जे संसार मे एतेक तरहक आवाज अछि, आ ओहि मे सँ कोनो आवाज कोनो अर्थहीन नहि अछि।
11 तेँ जँ हम आवाजक अर्थ नहि जनैत छी तँ हम ओहि बजनिहारक लेल बर्बर बनब आ जे बजैत अछि से हमरा लेल बर्बर होयत।
12 तहिना अहाँ सभ आत् मिक वरदानक प्रति उत्साहित छी, एहि लेल प्रयास करू जे अहाँ सभ मण् डली केँ बढ़ाबऽ मे नीक भऽ सकब।
13 तेँ जे अनजान भाषा मे बजैत अछि, से प्रार्थना करथि जे ओ व्याख्या करथि।
14 जँ हम अनजान भाषा मे प्रार्थना करैत छी तँ हमर आत् मा प्रार्थना करैत अछि, मुदा हमर बुद्धि निष्फल अछि।
15 तखन की अछि? हम आत् मा सँ प्रार्थना करब, आ बुद्धि सँ सेहो प्रार्थना करब।
16 जँ अहाँ आत् मा सँ आशीर्वाद देब तखन अविद्वानक कोठली मे बैसल लोक अहाँक धन्यवादक समय मे कोना आमेन कहत, जखन कि अहाँक बात नहि बुझल अछि?
17 किएक तँ अहाँ सत्ते नीक जकाँ धन् यवाद दैत छी, मुदा दोसरक उत् पादन नहि होइत अछि।
18 हम अपन परमेश् वर केँ धन्यवाद दैत छी, अहाँ सभ सँ बेसी अन्य भाषा मे बजैत छी।
19 तैयो मण् डली मे हम अपन समझ मे पाँच टा शब्द बाजब पसिन करैत छलहुँ, जाहि सँ हम अपन आवाज सँ दोसरो केँ सिखा सकब, नहि कि अनजान भाषा मे दस हजार शब्द।
20 भाइ लोकनि, बुद्धि मे सन् तान नहि बनू, तथापि अहाँ सभ दुर्भावना मे संतान बनू, बल् कि बुद्धि मे मनुष् य बनू।
21 धर्म-नियम मे लिखल अछि जे, “हम एहि लोक सभ सँ दोसर भाषा आ दोसर ठोर सँ बात करब। मुदा तैयो जे सभ चाहथि ताहि लेल ओ सभ हमर बात नहि सुनैत छथि, प्रभु कहैत छथि।
22 तेँ भाषा सभ विश् वास करयवला सभक लेल नहि, बल् कि विश् वास नहि करयवला सभक लेल चिन् हक रूप मे अछि।
23 जँ समस्त मण् डली एक ठाम आबि कऽ सभ दोसर भाषा मे बजैत अछि आ अविद्वान वा अविश्वासी लोक सभ भीतर आबि जाइत अछि तँ की ओ सभ ई नहि कहत जे अहाँ सभ बताह छी?
24 मुदा जँ सभ भविष्यवाणी करऽ वला आ विश् वास नहि करनिहार वा अशिक्षित केओ अयलाह तँ ओ सभ पर विश् वास भऽ जाइत अछि।
25 एहि तरहेँ हुनकर हृदयक रहस्य प्रकट कयल गेल अछि। आ एहि तरहेँ मुँह पर खसि कऽ ओ परमेश् वरक आराधना करत आ ई खबरि देत जे परमेश् वर अहाँ सभ मे सत् य अछि।
26 तखन, भाइ लोकनि, केहन अछि? जखन अहाँ सभ एक ठाम अबैत छी तँ अहाँ सभ मे सँ प्रत्येकक एकटा भजन होइत अछि, एक-एकटा शिक्षा होइत अछि, एकटा जीह अछि, एकटा प्रगटीकरण होइत अछि आ ओकर व्याख्या होइत अछि। सब किछु संस्कारित करबाक लेल कयल जाय।
27 जँ केओ अनजान भाषा मे बजैत अछि तँ ओ दू गोटे वा बेसी सँ बेसी तीन गोटे आ ओ एक बेर-बेर। आ व्याख्या कयल जाय।
28 मुदा जँ कोनो दुभाषिया नहि अछि तँ ओ मण् डली मे चुप रहय। ओ अपना सँ आ परमेश् वर सँ गप्प करथि।
29 प्रवक् ता सभ दू-तीन गोटे बाजथि आ दोसर सभ न्याय करथि।
30 जँ ओहि ठाम बैसल दोसर केँ कोनो बात प्रगट कयल जाय तँ पहिने चुप रहय।
31 किएक तँ अहाँ सभ एक-एक कए भविष्यवाणी कऽ सकैत छी, जाहि सँ सभ सिखय आ सभ केँ सान्त्वना भेटय।
32 भविष्यवक्ता सभक आत् मा प्रवक् ता सभक अधीन रहैत अछि।
33 किएक तँ परमेश् वर भ्रमक निर्वहन नहि, बल् कि पवित्र लोकक सभ मण् डली मे जेकाँ शान् तिक जनक छथि।

34 अहाँ सभक स्त्रीगण सभ मण् डली मे चुप रहू, किएक तँ ओकरा सभ केँ बजबाक अनुमति नहि छैक। मुदा हुनका सभ केँ आज्ञापालन करबाक आज्ञा देल गेल छनि, जेना कि व्यवस्था मे सेहो कहल गेल अछि।
35 जँ ओ सभ किछु सीखय चाहैत छथि तँ घर मे अपन पति सँ पूछि लेथिन, किएक तँ स् त्रीगण सभक लेल मण् डली मे बाजब लाजक बात अछि।
36 की ? अहाँ सभ सँ परमेश् वरक वचन निकलल? आकि ई मात्र अहाँ सभक लग आबि गेल?
37 जँ केओ अपना केँ परमेश् वरक प्रवक् ता वा आत् मक बुझैत अछि तँ ओ ई बात स्वीकार करथि जे हम जे बात अहाँ सभ केँ लिखैत छी से प्रभुक आज्ञा अछि।
38 मुदा जँ केओ अज्ञानी अछि तँ ओ अज्ञानी रहय।
39 तेँ यौ भाइ लोकनि, भविष्यवाणी करबाक लोभ करू आ दोसर भाषा मे बाजब सँ मना करू।
40 सभ काज शिष्ट आ क्रम मे होअय।

आ सभ जीभ ई बात स्वीकार करय जे यीशु मसीह प्रभु छथि, जाहि सँ पिता परमेश् वरक महिमा होयत। फिलिप्पियों 2:11

जँ अहाँ सभ मे सँ केओ धार्मिक बुझैत अछि आ अपन जीह पर लगाम नहि लगाबैत अछि आ अपन हृदय केँ धोखा दैत अछि तँ एहि आदमीक धर्म व्यर्थ अछि। याकूब 1:26

तहिना जीह छोट-छोट अंग होइत अछि आ पैघ-पैघ बातक घमंड करैत अछि। देखू, कनेक आगि कतेक पैघ बात अछि! जीह आगि अछि, अधर्मक संसार अछि। आ ओकरा नरकक आगि लगा देल जाइत छैक। किएक तँ हर तरहक पशु-पक्षी, चिड़ै-चुनमुनी, साँप आ समुद्र मे वश मे कयल गेल अछि आ मनुष् य-जातिक वश मे कयल गेल अछि। ई एकटा बेकाबू बुराई अछि, जे घातक जहर सँ भरल अछि। हम सभ पिता परमेश् वर केँ एहि तरहेँ आशीर्वाद दैत छी। हम सभ परमेश् वरक उपमाक अनुसार बनल लोक सभ केँ एहि तरहेँ श्राप दैत छी। ओही मुँह सँ आशीर्वाद आ श्राप निकलैत अछि। हमर भाइ लोकनि, ई सभ बात एहन नहि हेबाक चाही। याकूब 3:5-10

किएक त' जे जीवन सँ प्रेम करय चाहैत अछि आ नीक दिन देखय चाहैत अछि, ओ अपन जीह केँ अधलाह सँ परहेज करय, आ अपन ठोर केँ कोनो धोखा नहि बजय: 1 पत्रुस 3:10

हमर छोट-छोट बच्चा सभ, हम सभ बात मे प्रेम नहि करी आ ने जीह मे। मुदा कर्म आ सत्य मे। 1 यूहन्ना 3:18

प्रकाशितवाक्य

ओ सभ एकटा नव गीत गाबि कऽ कहलक, "अहाँ ओहि पुस्तक केँ लऽ कऽ ओकर मोहर खोलबाक योग्य छी, किएक तँ अहाँ मारल गेलहुँ आ सभ जाति, भाषा, जाति आ जाति मे सँ हमरा सभ केँ अपन खून सँ परमेश् वरक लेल छुड़ा देलहुँ। प्रकाशितवाक्य 5:9

एकर बाद हम देखलहुँ जे, सभ जाति, जाति, जाति, जाति आ भाषाक बहुत रास भीड़, जकर गिनती केओ नहि क' सकैत छल, सिंहासनक सोझाँ आ मेमनाक समक्ष उज्जर वस्त्र आ हाथ मे हथेली पहिरने ठाढ़ छल। प्रकाशितवाक्य 7:9

हुनका सभक ऊपर एकटा राजा छलनि, जे अथाह गड्ढाक स् वर्गदूत छल, जकर नाम हिब्रू भाषा मे अबादोन अछि, मुदा यूनानी भाषा मे ओकर नाम अपोलियन अछि। प्रकाशितवाक्य 9:11

ओ हमरा कहलथिन, “अहाँ केँ बहुतो जाति, जाति, भाषा आ राजाक समक्ष फेर सँ भविष्यवाणी करबाक चाही।” प्रकाशितवाक्य १०:११

आ जाति-जाति आ जाति-जातिक लोक सभ साढ़े तीन दिन धरि अपन लाश देखि लेत आ अपन लाश केँ कब्र मे नहि राखय देत। प्रकाशितवाक्य 11:9

पवित्र लोक सभ सँ युद्ध करबाक आ ओकरा सभ पर विजय प्राप्त करबाक अधिकार हुनका देल गेलनि। प्रकाशितवाक्य 13:7

आ हम देखलहुँ जे एकटा आओर स् वर्गदूत स् वर्गक बीचोबीच उड़ैत छल, जकरा लग अनन्त सुसमाचार छल जे ओ पृथ्वी पर रहनिहार सभ केँ, सभ जाति, सभ-जाति, आ भाषा आ लोक सभ केँ प्रचार करथि, प्रकाशितवाक्य 14:6

पाँचम स् वर्गदूत अपन कटोरा ओहि जानवरक आसन पर उझलि देलनि। ओकर राज्य अन्हार सँ भरल छलैक। ओ सभ पीड़ाक कारणेँ अपन जीह काटि लेलक, आ ओ सभ ओकरा सभ केँ एक ठाम जमा कऽ लेलक जकरा हिब्रू भाषा मे आरमागेडोन कहल जाइत छैक। प्रकाशितवाक्य 16:10,16

ओ हमरा कहलथिन, “जे पानि अहाँ देखलहुँ, जतय वेश्या बैसल अछि, से लोक, भीड़, जाति आ भाषा अछि।” प्रकाशितवाक्य 17:15

एपोक्रिफा

हे मनुष्य सभ, जखन एहन तरहेँ हुनकर आज्ञा मानल जाइत अछि तखन राजा सभसँ पराक्रमी कोना नहि हेताह? आ जीह पकड़ि लेलक। १ एस्द्र ४:१२

मुदा हम मात्र देखलहुँ जे ओ अपन मुँहसँ ओहिना पठा देलक जेना आगि केर धमाका भेल हो, आ ठोरसँ एकटा ज्वालामुखी साँस, आ जीहसँ चिंगारी आ तूफान निकालि देलक। २ एस्द्रा १३:१०

रहल बात हमर। हम दिन मे बजैत छलहुँ, राति मे जीह नहि पकड़ने छलहुँ। २ एस्द्रा १४:४३

हम आब हुनका सभक दुष्टता केँ नहि पकड़ब, जे ओ सभ अशुद्ध करैत छथि, आ ने हुनका सभ केँ ओहि काज मे सहन करब जाहि मे ओ सभ दुष्टतापूर्वक व्यायाम करैत छथि। 2 एस्द्रा 15:8

तइयो ओ हुनका सभक सीमा केँ फेकि देलनि आ ओकर सभक बगीचा सभ केँ काटि देलनि, किएक तँ ओ एहि देशक सभ देवता केँ नष्ट करबाक आदेश देने छलाह जे सभ जाति मात्र नबूचोदोनोसोरक आराधना करबाक चाही आ सभ भाषा आ जनजातिक लोक हुनका देवताक रूप मे पुकारत। यहूद 3:8

किएक तँ बुद्धि प्रेमक आत् मा अछि। आ ओकर निन्दा करयवला केँ ओकर वचन सँ निर्दोष नहि बनाओत, किएक तँ परमेश् वर ओकर बागडोरक गवाह छथि, आ ओकर हृदयक सच्चा देखनिहार आ ओकर जीह सुननिहार छथि। सुलेमान 1:6 के बुद्धि

तेँ गुनगुनाहट सँ सावधान रहू जे बेकार अछि। आ अपन जीह केँ बकबक करबा सँ परहेज करू, किएक तँ एहन कोनो गुप्त शब्द नहि अछि जे बेकार भऽ जायत। सुलेमान 1:11 के बुद्धि

जखन हम अपन जीह पकड़ब तँ ओ सभ हमर फुर्सतक समय राखत आ जखन हम बाजब तँ ओ सभ हमरा नीक जकाँ कान करत। सुलेमान 8:12 के बुद्धि

किएक तँ बुद्धि गूंगा सभक मुँह खोलि देलक आ जे बाजि नहि सकैत अछि, ओकर जीह केँ वाक्पटु बना देलक। सुलेमान के बुद्धि 10:21

किएक तँ बाजब सँ बुद्धि बुझल जायत, आ शिक्षा जीहक वचन सँ। उपदेशक 4:24

जीह मे जल्दबाजी नहि करू, आ अपन काज मे शिथिल आ लापरवाह नहि होउ। उपदेशक 4:29

हर हवाक संग हवा नहि चलाउ आ सभ बाट मे नहि जाउ, किएक तँ दुगुना जीह बला पापी सेहो एहने करैत अछि। उपदेशक 5:9

आदर आ लाज गप्प मे अछि, आ मनुष्यक जीह ओकर पतन अछि। उपदेशक 5:13

फुसफुसाएबला नहि कहल जाउ, आ अपन जीह सँ त्रस्त नहि रहू, किएक तँ चोर पर अशुद्ध लाज अछि आ दुगुना जीह पर अधलाह दोषी ठहराओल जाइत अछि। उपदेशक 5:14

मित्रक बदला दुश्मन नहि बनू; कारण, अहाँ केँ एकटा दुष् ट नाम, लाज आ अपमानक उत्तराधिकार भेटत। उपदेशक 6:1

मधुर भाषा मित्रकेँ गुणा करत : आ निष्पक्ष भाषासँ दयालु अभिवादन बढ़त। उपदेशक 6:5

जीह सँ भरल आदमी सँ झगड़ा नहि करू आ ओकर आगि पर लकड़ीक ढेर नहि करू। उपदेशक 8:3

बीमार जीभक आदमी अपन शहर मे खतरनाक होइत छैक; जे अपन गप्प-सप्प मे बेवकूफी करैत अछि, ओकरा घृणा कयल जायत। उपदेशक 9:18

जखन कोनो धनी बजैत अछि तऽ सभ अपन जीह पकड़ि लैत अछि आ देखू, जे कहैत अछि, तकर प्रशंसा मेघ धरि करैत अछि। आ जँ ठोकर खाएत तँ ओकरा उखाड़बामे मदति करत। उपदेशक 13:23

सलाह-शंसा, जीह, आँखि, कान आ ह्रदय हुनका सभ केँ बुझबाक लेल देलकनि। उपदेशक 17:6

जे अपन जीह पर राज कऽ सकैत अछि, से बिना झगड़ा के जीवित रहत। जे बकबक सँ घृणा करैत अछि तकरा अधलाह कम होयत। उपदेशक 19:6

एकटा एहन अछि जे अपन बाज मे फिसलैत अछि, मुदा ह्रदय सँ नहि; आ के अछि जे अपन जीह सँ कोनो आपत्ति नहि केने अछि? उपदेशक 19:16

एकटा एहन डाँट अछि जे उचित नहि अछि, फेर कियो अपन जीह पकड़ने रहैत अछि आ ओ बुद्धिमान होइत अछि। उपदेशक २०:१

कियो अपन जीह पकड़ने रहैत अछि, कारण ओकरा कोनो उत्तर देबऽ पड़ैत छैक। उपदेशक २०:६

बुद्धिमान लोक जा धरि अवसर नहि देखत ता धरि अपन जीह पकड़ि लेत, मुदा बकबक करयवला आ मूर्ख समयक कोनो परवाह नहि करत। उपदेशक २०:७

फुटपाथ पर फिसलब जीह सँ फिसलन सँ नीक अछि, तेँ दुष्टक पतन जल्दी आबि जायत। उपदेशक २०:१८

हमर मुँहक सोझाँ के चौकी आ हमर ठोर पर बुद्धिक मोहर लगाओत जे हम अचानक ओकरा सभ सँ नहि खसि पड़ब आ हमर जीह हमरा नष्ट नहि करय? उपदेशक 22:27

हम अपन मोन मे नौ टा बात सुखी होयबाक लेल निर्णय लेने छी, आ दसम बात हम अपन जीह सँ कहब: जे आदमी अपन संतान पर आनन्दित हो। आ जे अपन दुश्मनक पतन देखबाक लेल जीबैत अछि: उपदेशक 25:7

जे बुद्धिमान पत्नीक संग रहैत अछि, आ जे अपन जीह सँ फिसलल नहि अछि, आ जे अपना सँ बेसी अयोग्य आदमीक सेवा नहि केलक अछि, ओ नीक अछि: उपदेशक 25:8

मुदा हृदय आ दुखक शोक ओ स् त्री अछि जे दोसर स् त्री पर ईर्ष्या करैत अछि आ जीहक प्रकोप जे सभक संग संवाद करैत अछि। उपदेशक 26:6

फुसफुसाहट आ दुभाषिया केँ गारि दियौक, किएक तँ एहन लोक सभ केँ शान्ति मे रहनिहार बहुतो केँ नष्ट कऽ देलक। एकटा बकबक जीह बहुतो केँ परेशान क' देलक आ एक जाति सँ दोसर जाति मे भगा देलक। एकटा बकबक करय बला जीह सद्गुणी स्त्रीगण केँ बाहर निकालि देलकनि, आ ओकरा सभ केँ श्रम सँ वंचित क' देलकनि। जे केओ एकर बात सुनत, ओकरा कहियो विश्राम नहि भेटतैक आ ओ कहियो चुपचाप नहि रहतैक। कोड़ाक प्रहार सँ मांस मे निशान पड़ैत छैक, मुदा जीहक प्रहार सँ हड्डी टूटि जाइत छैक। बहुतो तलवारक धार मे खसि पड़ल अछि, मुदा ओतेक नहि जे जीह सँ खसल अछि। जे ओकर जहर सँ बचाओल जाइत अछि से नीक अछि। जे ओकर जुआ नहि खींचने अछि आ ने ओकर बान्ह मे बान्हल अछि। कारण ओकर जुआ लोहाक जुआ अछि आ ओकर पट्टी पीतलक पट्टी अछि। ओकर मृत्यु एकटा दुष्ट मृत्यु छै, कब्र ओकरा सँ नीक छल। परमेश् वरक भय देखनिहार सभ पर एकर शासन नहि होयत आ ने ओकर लौ सँ जरि जायत। उपदेशक 28:13-22

तोहर बाजब छोट हो, कम शब्द मे बहुत किछु बुझय। जे जनैत अछि आ तैयो अपन जीह पकड़ने अछि, तेना बनू।" उपदेशक 32:8

स्त्रीक सौन्दर्य चेहरा केँ हर्षित करैत अछि, आ पुरुष केँ एहि सँ नीक किछु नहि प्रेम होइत छैक। जँ ओकर जीह मे दया, नम्रता आ सान्त्वना छैक, तखन ओकर पति आन पुरुष जकाँ नहि छैक। उपदेशक 36:22-23

चारि तरहक बात प्रकट होइत अछि: नीक-बेजाय, जीवन आ मृत्यु, मुदा जीह ओकरा सभ पर सदिखन राज करैत अछि। उपदेशक 37:18

पाइप आ भजन मधुर राग बनबैत अछि, मुदा दुनूक ऊपर सुखद जीह अछि। उपदेशक 40:21

सिराक के पुत्र यीशु के एक प्रार्थना। हे प्रभु आ राजा, हम तोहर धन्यवाद देब आ हमर उद्धारकर्ता परमेश् वर, हम तोहर स्तुति करब, हम तोहर नामक स्तुति करैत छी, किएक तँ अहाँ हमर रक्षक आ सहायक छी, आ हमर

शरीर केँ विनाश सँ, निन्दा करयवला जीहक जाल सँ, आ झूठ गढ़निहार ठोर सँ बचा लेलहुँ आ हमर विरोधी सभक विरुद्ध हमर सहायक रहलहुँ अछि अहाँक नामक दया आ महानता, जे हमरा खाय लेल तैयार छल, ओकर दाँत सँ, जे हमर प्राणक खोज मे लागल छल, ओकर हाथ सँ आ हमरा जे अनेक क्लेश भेल छल, ताहि सँ। चारू कात आगि के गला घोंटला सँ आ ओहि आगि के बीच सँ जे हम नहि जरा देलहुँ। नरकक पेटक गहींरसँ, अशुद्ध जीहसँ आ झूठ बाजसँ। राजा पर अधर्मी जीह सँ आरोप लगाओल गेल जे हमर आत्मा मृत्यु धरि पहुँचि गेल, हमर जीवन नीचाँ नरकक नजदीक आबि गेल। उपदेशक 51:1-6

प्रभु हमरा हमर इनामक लेल एकटा जीह देने छथि, आ हम ओहि सँ हुनकर स्तुति करब। उपदेशक 51:22

रहल बात हुनका लोकनिक जीह केँ मजदूर द्वारा चमकाओल जाइत छनि, आ ओ सभ सोनाक रंग मे चानी सँ बिछल जाइत छथि। तइयो ओ सभ झूठ अछि, आ बाजि नहि सकैत अछि। यिर्मयाह 1:8 के पत्र

जे तुरन्त गरम भेला पर ओ आज्ञा देलथिन जे पहिने बजनिहारक जीह काटि कऽ ओकर शरीरक अंतिम भाग केँ काटि कऽ काटि देल जाय, जखन कि ओकर बाकी भाय आ माय देखैत रहथि। 2 मक्काबियों 7:4

हुनका बाद तेसर एकटा मजाक उड़ाओल गेलनि, आ जखन हुनका माँग पड़लनि तखन ओ अपन जीह आगू बढ़ौलनि, आ ओ ठीक जल्दिये, अपन हाथ मर्दाना ढंग सँ आगू बढ़ौलनि। 2 मक्काबी 7:10

ओहि अभक्त निकानोरक जीह काटि कऽ ओ आज्ञा देलथिन जे ओ सभ एकरा टुकड़ा-टुकड़ा मे चिड़ै सभ केँ दऽ दियौक आ ओकर पागलपनक इनाम मंदिरक सोझाँ लटका दियौक। २ मक्काबी १५:३३

आ ओ सभ सभ केँ एक समान फरमान सँ कोनो तरहेँ ओहि दिन केँ बिना कोनो गंभीरताक बीतय नहि देलक, बल् कि बारहम मासक तेरहम दिन, जकरा सीरियाई भाषा मे अदार कहल जाइत अछि, मार्दोकियसक दिन सँ एक दिन पहिने मनाओल जाय। २ मक्काबी १५:३६

हनोक

हम अपन नींद मे देखलहुँ जे आब हम मांसक जीह आ मुँहक साँस सँ की कहब, जे महान परमेश् वर मनुष् य केँ एहि बात सँ गप्प-सप्प करबाक आ हृदय सँ बुझबाक लेल देने छथि। हम ताबत धरि भीतर गेलहुँ जाबत धरि हम एकटा देबाल लग नहि पहुँचलहुँ जे स्फटिक सँ बनल अछि आ चारू कात आगि केर जीह सँ घेरल अछि। हम आगि के जीह मे जा कऽ एकटा पैघ घर लग पहुँचलहुँ जे स्फटिक सँ बनल छल, आ घरक देबाल स्फटिक सँ बनल टेसेलेट फर्श जकाँ छल आ ओकर जमीन स्फटिक सँ बनल छल। हनोक 14:2,9-10

ओ हमर आत्मा केँ स्वर्गक स्वर्ग मे अनुवाद कयलनि, आ हम ओतय स्फटिक सँ बनल संरचना जकाँ देखलहुँ, आ ओहि स्फटिक सभक बीच मे जीवित आगि केर जीह। हनोक 71:5

आ हम धार्मिकता मे हाथ उठौलहुँ आ पवित्र आ महान केँ आशीर्वाद देलहुँ, आ अपन मुँहक साँस सँ आ मांसक जीह सँ बजलहुँ, जे परमेश् वर मनुष्यक मांसक संतान सभक लेल बनौने छथि, जे ओ सभ एहि बात सँ बाजथि, आ ओ हुनका सभ केँ साँस आ एकटा जीह आ मुँह देलनि जे ओ सभ ओहि सँ बाजथि: हनोक 84:1

जशेर

सभ जाति आ भाषा सभ हुनकर प्रसिद्धि सुनि हुनका लग जमा भऽ गेलाह आ पृथ् वी पर प्रणाम कयलनि आ हुनका बलि चढ़ौलनि आ ओ सभ हुनका सभक मालिक आ राजा बनि गेलाह आ सभ हुनका संग शिनार नगर मे रहि गेलाह आ निमरोद पृथ्वी पर नूहक समस्त पुत्र सभ पर राज केलनि आ सभ हुनकर अधिकार आ सल्लाहक अधीन रहलाह। समस्त पृथ्वी एक भाषा आ एकताक वचन छल, मुदा निमरोद प्रभुक बाट पर नहि चलल, आ जलप्रलयक दिन सँ ओहि दिन धरि ओ हुनका सँ पहिने जे लोक छल, ताहि सँ बेसी दुष्ट छल। याशेर 7:45-46 मे

राजा निमरोद सुरक्षित रूप सँ राज् य कयलनि, आ समस्त पृथ् वी हुनका वश मे छल, आ समस्त पृथ् वी एक भाषा आ एकताक वचनक छल। परमेश् वर हुनका सामने सभ सँ आगू ठाढ़ सत्तरि स् वर्गदूत सभ केँ कहलथिन जे, "आउ, उतरि कऽ हुनका सभक जीह केँ भ्रमित करू, जाहि सँ एक आदमी अपन पड़ोसीक भाषा नहि बुझत, आ ओ सभ हुनका सभक संग एना कयलनि।" आ ओहि दिन सँ एक-एकटा अपन पड़ोसीक जीह बिसरि गेल, आ एक भाषा मे बाजब नहि बुझि सकल, आ जखन बिल्डर अपन पड़ोसीक हाथ सँ चून वा पाथर ल' लैत छल जे ओ नहि मंगबैत छल, तखन बिल्डर ओकरा फेकि क' अपन पड़ोसी पर फेकि दैत छल, जाहि सँ ओ मरि जायत। याशेर 9:20,32-33 के अनुसार

आ मूर्ति सभक ई तरीका अछि; जे पहिल जन्मल आदमी के लऽ कऽ ओकरा वध करी कं ओकरऽ माथा के केश हटाय कं नून लं कं माथा कं नमकीन करी कं ओकरा तेल मं अभिषेक करी कं ओकरा पर तांबा के छोटऽ पाटी या सोना के एक पाटी लं कं ओकरा पं नाम लिखी कं ओकरा जीह के नीचें पाटी के साथ माथा कं जीह के नीचें लं कं घर मं रखी कं ओकरा सामने रोशनी जलाबै मं आरू ओकरा सामने प्रणाम करै मं । जशेर 31:41 के समय

ओ सभ ओहि लड़का केँ अपना सभक सोझाँ राखि देलक आ ओ लड़का गोमेदक पाथर धरि हाथ बढ़ेबाक प्रयास केलक, मुदा प्रभुक स् वर्गदूत ओकर हाथ पकड़ि कोयला पर राखि देलक, आ कोयला ओकर हाथ मे बुझि गेल, आ ओ ओकरा उठा कऽ मुँह मे राखि देलक आ ओकर ठोरक किछु भाग आ जीभक किछु भाग जरा देलक आ मुँह मे भारी भऽ गेलैक जीह। याशेर 70:29 के अनुसार

हमर सभक जीह अहाँक पराक्रमक बात कहत, हम सभ अहाँक आश्चर्यकारक काज गाबय आ प्रशंसा करब। कारण, अहाँ हमरा सभ केँ हमरा सभक शत्रु सभ सँ बचा लेलहुँ, हमरा सभक विरुद्ध उठल लोक सभ सँ बचा लेलहुँ, ओकरा सभ केँ हमरा सभक सोझाँ सँ नष्ट कयलहुँ आ हमरा सभक पएरक नीचाँ ओकरा सभ केँ दबा देलियैक। याशेर 89:20-21 के अनुसार

जयंती

ओहि दिन सभ जानवर, मवेशी, चिड़ै-चुनमुनी, जे किछु चलैत अछि, आ जे किछु हिलैत अछि, ओकर मुँह बंद भ' गेल छल, जाहि सँ ओ सभ आब बाजि नहि सकैत छल, किएक तँ सभ एक-दोसर सँ एक ठोर आ एक जीह सँ गप्प क' रहल छल। जुबली 3:28

आ ई करसो धरि पसरल रहैत अछि : ई जीहक कोरा मे अछि जे दक्षिण दिस तकैत अछि । ओकर भाग महान समुद्रक कात मे पसरल अछि आ सोझ रेखा मे ताबत धरि पसरल अछि जाबत धरि ओ दक्षिण दिस देखय बला

जीहक पश्चिम मे नहि पहुँचि जाइत अछि, कारण एहि समुद्रक नाम मिस्र सागरक जीह राखल गेल अछि। जुबली 8:13-14

आरपचशाद तेसर भाग, यूफ्रेटिस नदीक पूरब मे कल्दीय प्रदेशक समस्त देश, लाल सागरक सीमा मे, आ समुद्रक जीभक समीप मरुभूमिक सभ पानि जे मिस्र दिस तकैत अछि, समस्त लेबनान आ सनीर आ अमानाक समस्त देश यूफ्रेटिसक सीमा धरि। तुबल के लेलऽ जीभ के बीच में पाँचवाँ भाग निकललै जे लुद के भाग के सीमा के तरफ दोसरऽ जीभ तक, दोसरऽ जीभ के पार के क्षेत्र में तेसरऽ जीभ तक पहुँची गेलै। मेशेक छठम भाग निकलल, तेसर जीह सँ आगूक समस्त क्षेत्र जाबत धरि ओ गादीरक पूब दिस नहि पहुँचि गेल। जुबली ९:४,११-१२

हम हुनकर मुँह, हुनकर कान आ ठोर खोललहुँ आ सृष्टिक भाषा मे हिब्रू भाषा मे हुनका सँ गप्प करय लगलहुँ। जयंती 12:26

आ जेना अहाँ अपन मायक जीवन मे ओकर आत्मा केँ ताजा केने छी, जे अहाँ केँ जन्म देलक ओकर कोख अहाँ केँ एहि तरहेँ आशीर्वाद दैत अछि, हमर स्नेह आ हमर स्तन अहाँ केँ आशीर्वाद दैत अछि आ हमर मुँह आ हमर जीह अहाँक बहुत प्रशंसा करैत अछि। जयंती 25:19

यूसुफ देखलक जे ओ सभ एक-दोसरक भलाई मे मेल-मिलाप करैत अछि, आ ओ अपना केँ नहि रोकि सकल, आ ओ ओकरा सभ केँ कहलक जे ओ यूसुफ अछि। ओ हुनका सभ सँ हिब्रू भाषा मे गप्प-सप्प कयलनि आ हुनका सभक गरदनि पर खसि पड़लाह आ कानय लगलाह। जुबली 43:14-15

बाइबिल के खोया किताबें

आ जेना-जेना चरबाह सभ ओही रोजगार मे लागल छल, ओहि समय मे गुफा एकटा गौरवशाली मंदिर जकाँ बुझाइत छल, कारण प्रभु मसीहक जन्मक कारणेँ स्वर्गदूत आ मनुष्य दुनूक जीभ एकजुट भ' क' परमेश्वरक आराधना आ महिमामंडन करैत छल। यीशु मसीह के शैशव काल के पहिल सुसमाचार 1:20

तुरन्त ओकर जीहक डोरी ढीला भ’ गेलै, आ ओकर कान खुजि गेलै, आ ओ परमेश् वरक स्तुति गाबय लगलीह, जे ओकरा ठीक क’ देने छलाह। यीशु मसीह के शैशव काल के पहिल सुसमाचार 6:7

यीशु उत्तर देलथिन, “जँ हुनका सभ मे बजबाक सामर्थ्य नहि रहैत तँ ओ सभ नहि बाजि सकैत छलाह। मुदा किएक तँ सभ केँ अपन-अपन भाषाक आज्ञा छनि जे नीक-बेजाय दुनू बाजब, तेँ ओ एहि दिस तकैत रहथि। निकोदेमस के सुसमाचार २:५

शिमोनक दुनू पुत्र चारिनस आ लेन्थियस ई बात सुनि काँपि गेलाह। आ संगहि स्वर्ग दिस तकैत ओ सभ जीभ पर आँगुर राखि क्रूसक निशानी बनौलनि। निकोदेमस के सुसमाचार 12:24

ओ फेर कहैत छथि, “ओ सभ हुनका सँ मुँह सँ प्रेम कयलनि आ जीह सँ हुनका सँ झूठ बाजलनि।” किएक तँ हुनका सभक मोन हुनका संग ठीक नहि छलनि आ ने ओ सभ हुनकर वाचा मे विश् वास रखैत छलाह। सभ धोखाबला ठोर गूंगा भ’ जाय आ जे जीह घमंडी बात बजैत अछि। जे कहने छथि, हम सभ अपन जीह सँ जीतब। हमर सभक ठोर हमर सभक अछि, जे हमरा सभक प्रभु छथि। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के प्रथम पत्र 7:16-17

ई आदमी सेहो एहि तरहेँ बहुत सम्मानित भेलाह, मुदा अपना बारे मे बहुत किछु नहि बजलाह। मुदा जखन परमेश् वरक वचन झाड़ी मे सँ हुनका सौंपल गेलनि तखन ओ कहलथिन, “हम के छी जे अहाँ हमरा पठा रहल छी?” हम सुडौल आवाजक छी, आ जीह मंद छी। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के 1 पत्र 8:22

हे परमेश् वर, हे हमर उद्धारक परमेश् वर, हमरा खून-पानी सँ मुक्ति दिअ, आ हमर जीह अहाँक धार्मिकताक जोर-जोर सँ गाओत। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के प्रथम पत्र 8:37

हुनका लोकनिक चुप्पी सँ हुनका लोकनिक जीहक सरकार प्रकट होथि । कोरिन्थियों के क्लेमेंट के प्रथम पत्र 10:10

अपन जीह केँ अधलाह सँ बचाउ, आ ठोर केँ एहि लेल राखू जे ओ कोनो धोखा नहि बजय। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के 1 पत्र 11:3

ओ कहैत छथि जे, “जे केओ बहुत बात बजैत अछि आ सुनैत अछि, आ जे सहज भाषा मे अछि, से बुझैत अछि जे ओ धर्मी अछि?” धन्य अछि जे स् त्री सँ जनमल अछि, जे किछुए दिन जीवित अछि। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के 1 पत्र 14:6

जखन अहाँ चोर केँ देखलहुँ तखन अहाँ ओकरा सँ सहमत भेलहुँ। आ व्यभिचारी सभक संग सहभागी रहल अछि। अहाँ अपन मुँह अधलाह केँ दैत छी, आ अहाँक जीह छल-प्रपंच बनबैत अछि। अहाँ बैसि कऽ अपन भाइक विरोध मे बाजि रहल छी। अहाँ अपन मायक बेटाक निन्दा करैत छी। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के प्रथम पत्र 17:11

अहाँ जीभक प्रकोप सँ नुकायल रहब। आ ने अहाँ विनाश सँ डरब जखन ओ विनाश आओत। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के प्रथम पत्र 23:10

जीभक सभटा घमंडी आ अहंकारी घमंड केँ एक कात राखि अधीन रहब सीखू। कोरिन्थियों के क्लेमेंट के प्रथम पत्र 23:16

अहाँ ओ दुइ-विचार वा दु-जीह नहि राखब। कारण दुगुना जीह मृत्युक जाल थिक। अहाँ भय आ आदरपूर्वक प्रभुक अधीन रहब आ परमेश् वरक प्रतिनिधि जकाँ नीच मालिक सभक अधीन रहब। बरनबास के सामान्य पत्र 14:14

यीशु मसीह के नाम लेना, आ यहूदी बनाना बेतुका छै। कारण, ईसाई धर्म यहूदी के नहिं, यहूदी ईसाई के अपना लेलक; एहि तरहेँ विश् वास करयवला सभ भाषा परमेश् वरक समक्ष एकत्रित भऽ जाय। इग्नेशियस के मैग्नीशियन के पत्र 3:11

संगहि डीकन सभ केँ हुनका सामने निर्दोष रहबाक चाही, जेना मसीह मे परमेश् वरक सेवक छथि, आ मनुष् यक नहि। झूठ आरोपक नहि; दोहरी जीभ नहि; पाइक प्रेमी नहि; मुदा सभ बात मे मध्यम। दयालु, सावधान; प्रभुक सत्यक अनुसार चलैत रहथि, जे सभक सेवक छलाह। फिलिप्पियों के लिये पॉलीकार्प के पत्र 2:10

आब ओ सभ अपन आन पाप मे अश्लीलता आ अपन नटखटताक प्रदूषण केँ जोड़ि देलक। मुदा अहाँ एहि सभ बात सँ अपन पुत्र सभ केँ डाँटि दियौक। आ तोहर पत्नी, जे तोहर बहिन हेतीह। आ ओकरा अपन जीह परहेज करब सीखय, जाहि सँ ओ निंदा करैत अछि। हरमास के प्रथम पुस्तक (दर्शन) 2:10

ई संदेह करय वाला के दर्शाबै छै, जे विश्वास करी चुकलऽ छै, आरो कुछ अन्य लोगऽ के जे प्रभु के जीभ में लं जाय छै, लेकिन ओकरा दिल में नै छै, तें ओकरों घास सूखलों छै, आरो जड़ नै छै। कारण, ओ सभ मात्र शब्द मे जीबैत छथि, मुदा हुनकर सभक काज मरि गेल अछि। हरमास के तृतीय पुस्तक (समानता) 9:194

अदन के बिसरल किताब

तखन आदम आ हव्वा गुफा मे प्रवेश क' क' ठाढ़ भ' क' प्रार्थना करैत ठाढ़ भ' गेलाह, अपन भाषा मे, जे हमरा सभ कैँ अनजान छल, मुदा जेकरा ओ सभ नीक जकाँ जनैत छल। आदम आ हव्वा के पहिल किताब 5:1

जखन आदम सेत कैँ अपन आज्ञा समाप्त क' देलकैक तखन ओकर अंग-अंग ढीला भ' गेलै, ओकर हाथ-पैर मे सभ शक्ति खतम भ' गेलै, ओकर मुँह गूंगा भ' गेलै आ ओकर जीह एकदम सँ बाजब छोड़ि देलकैक। आँखि मुनि भूत छोड़ि देलक। आदम आ हव्वा के दोसर किताब 9:1

दसम स्वर्ग पर भगवान छथि, हिब्रू भाषा मे हुनका अरवत कहल जाइत छनि | हनोक के रहस्य के किताब 20:3

हम आठम स्वर्ग देखलहुँ, जकरा हिब्रू भाषा मे मुसालोथ कहल जाइत छैक, जे ऋतु, रौदी आ भीजल आ राशिक बारह चिन्ह बदलैत अछि, जे सातम स्वर्ग सँ ऊपर अछि। हनोक 21:7 के रहस्य के किताब

आ ओ हमरा स्वर्ग, पृथ्वी आ समुद्रक सभटा काज, आ सभ तत्व, ओकर मार्ग आ जायब, आ गरजबाक गरज, सूर्य आ चन्द्रमा, तारा सभक जेना-जेना आ परिवर्तन, ऋतु, वर्ष, दिन, आ घंटी, हवाक उदय, स्वर्गदूतक संख्या, आ ओकर गीतक निर्माण, आ सभ मनुक्खक वस्तु, प्रत्येक मानवीय गीतक जीह आ जीवन, आज्ञा, निर्देश, आ मधुर स्वर मे गायन, आ सभ किछु जे सीखब उचित अछि। हनोक 23:1 के रहस्य के किताब

आकि जँ एक आदमी जीभक छल-प्रपंच सँ अपना कैँ दोसर कैँ नीक देखाबैत अछि, मुदा ओकर हृदय मे बुराई अछि, तखन की दोसर ओकर हृदयक विश्वासघात कैँ नहि बुझि जायत आ ओकरा दोषी नहि ठहराओल जायत, किएक तँ ओकर असत्य सभ कैँ स्पष्ट छल? हनोक के रहस्य के किताब 46:3

धन्य अछि जे विनम्र जीह आ हृदय सँ सब सँ गप्प करैत अछि। जे अपन जीह सँ शान्ति बजैत अछि, ओ अभिशप्त अछि, जखन कि हृदय मे तलवार छोड़ि कोनो शान्ति नहि अछि। हनोक के रहस्य के किताब 52:13-14

..जखन ओ शपथ ग्रहण करैत छथि तखन हुनकर जीह पड़ल रहैत छनि... सुलेमानक भजन 4

हे प्रभु, हमर प्राण कैँ अनियमित आ दुष्ट सँ, अनियमित आ निन्दा करयवला जीह सँ बचाउ, जे झूठ आ छल-कपट बजैत अछि। दुष्टक जीहक बात अनेक तरहेँ मोड़ल अछि, जेना कोनो लोकक बीच आगि ओकर सौन्दर्य कैँ जरा दैत छैक। तेँ ओ घर सभ कैँ झूठ जीभ सँ भरबा मे आनन्दित होइत छथि, उल्लंघन करयवला कैँ आगि लगाबय बला आनन्दक गाछ कैँ काटि दैत छथि, निन्दनीय ठोर सँ घर-घर कैँ युद्ध मे फँसाबैत छथि...ज्वालामुखी आगि मे पुण्यात्मा सँ दूर निंदा करय बला जीह नष्ट भ' जाइत छथि!... सुलेमानक भजन 12

जीभक नीक जकाँ सुव्यवस्थित वाद्ययंत्रक संग ठोरक फल,... सुलेमानक भजन १५

...हमर जीह आ ठोर कैँ सत्यक वचन सँ बचाउ;... सुलेमानक भजन 16

तेँ हमर हृदय प्रभुक स्तुति केँ उगलैत अछि आ हमर ठोर हुनकर प्रशंसा करैत अछि, आ हमर जीह हुनकर भजन। सुलेमान के ओड्स 40:5

हुनका लोकनि कें सीरियाई भाषाक प्रयोग करबाक चाही, मुदा से नहिं; हुनका लोकनिक भाषा एकदम अलग छनि। अरस्तिया के पत्र 1:16

आब चूँकि हम एहि लोक सभक प्रति आ पूरा संसार मे यहूदी सभक प्रति आ आगामी पीढ़ी सभक प्रति अपन कृतज्ञता देखाबय लेल बेचैन छी, तेँ हम ई निर्धारित कएने छी जे अहाँक नियमक अनुवाद ओहि हिब्रू भाषा सँ कयल जायत जे अहाँ सभक बीच प्रचलित अछि, जाहि सँ ई पोथी सभ हमर पुस्तकालय मे राखल आन राजकीय पुस्तक सभ मे सेहो जोड़ल जाय। अरस्तियाक पत्र 2:20

ई बात सुनला पर खूनखराबा, हत्यारा आ एकदम घृणित एन्टिओकस हुनका सभ केँ अपन जीह काटि देबाक आदेश देलथिन। मुदा ओ बजलाह, 'अहाँ हमर वाक्-अंग केँ हटा देब, परमेश् वर वाक्-हीन लोकक सेहो श्रोता छथि। देखू, हम अपन जीह तैयार क' देलहुँ, ओकरा काटि दियौक, कारण अहाँ एहि तरहेँ हमर तर्क केँ चुप नहि करब। हम सब खुशी स अपन शरीर के अंग के भगवान के काज के लेल विकृत करय लेल दैत छी। मुदा परमेश् वर जल्दी-जल्दी अहाँक पाछाँ-पाछाँ चलताह। किएक तँ अहाँ ओहि जीह केँ काटि दैत छी जे हुनकर स्तुति गीत गबैत छल।' मक्काबियों के चारिम किताब 5:39-43

मुदा माय हिब्रू भाषा मे बजैत, जेना कि हम बाद मे कहब, ओहि लड़का केँ प्रोत्साहित केलनि, आ ओ पहरेदार सभ केँ कहलथिन, 'हमरा ढीला करू, जाहि सँ हम राजा आ ओकर संग संग ओकर सभ मित्र सँ गप्प क' सकब।'...हे जंगली जानवरक हृदयक दयनीय आदमी हेबाक कारणे, अहाँ केँ लाज नहि होइत अछि, जे एकहि तत्व सँ बनल, अपना संग समान भावनाक लोक केँ ल' क' हुनकर नोचब जीह सभ केँ, आ एहि तरहेँ ओकरा सभ केँ कोड़ा आ यातना देब? मक्काबियों के चारिम किताब 6:5,9

कारण, जखन अहाँ अपन पुत्र सभक संग बंधन मे राखल गेलहुँ तखन एलियाजर केँ यातना दैत देखि ठाढ़ छलहुँ आ अपन पुत्र सभ सँ हिब्रू भाषा मे बजलहुँ, 'हमर बेटा सभ, लड़ाई कुलीन अछि। आ अहाँ सभ अपन जातिक लेल गवाही देबाक लेल बजाओल गेल छी आ अपन पूर्वजक व्यवस्थाक लेल एहि मे उत्साहपूर्वक लड़ू। मक्काबियों के चारिम किताब 7:36-37

आह, क्रूर छल ओ दिन, आ तइयो क्रूर नहि, जखन यूनानी लोकनिक क्रूर अत्याचारी अपन बर्बर ब्रेज़ियरक लेल धधकैत आगि लगा देलक, आ अपन जुनून उबलैत-उबलैत अब्राहमक बेटीक सातटा बेटा केँ गुलेल पर आ फेर अपन यातना मे आनि देलक, आ आँखिक आँखिक गोला आन्हर क' देलक, आ ओकर जीह काटि लेलक, आ कतेको तरहक यातना सँ मारि देलक. मक्काबियों के चारिम किताब 8:32

हे हमर बेटा! जँ अहाँ कोनो वचन सुनैत छी तँ ओ अपन हृदय मे मरि जाउ आ ओकरा दोसर केँ नहि प्रकट करू, नहि तऽ ओ जीवित कोयला बनि अहाँक जीह जरा कऽ अहाँक शरीर मे पीड़ा नहि उत्पन्न कऽ देत, आ अहाँ परमेश् वर आ मनुष् यक समक्ष अपमानित भऽ जायब। अहिकरक कथा २:२

हे हमर बेटा! अपन बाजब केँ सुन्दर बनाउ आ जीह केँ मधुर बनाउ। आ अपन संगी केँ अहाँक पएर पर नहि चलय दियौक, जाहि सँ ओ अहाँक छाती पर कोनो आन समय नहि चलत। अहिकर के कहानी 2:35

हे हमर बेटा! आदमीक पएरसँ ठोकर मारब ओकर जीह ठोकरसँ नीक होइत छैक। अहिकर के कहानी 2:45

हे हमर बेटा! जँ अहाँ बुद्धिमान बनय चाहैत छी तँ अपन जीह केँ झूठ बाजबा सँ रोकू, आ अपन हाथ केँ चोरी करबा सँ आ अपन आँखि केँ अधलाह देखबा सँ रोकू। तखन अहाँ बुद्धिमान कहल जायब। अहिकर के कहानी 2:60

तखन ओ सभ हुनका अपन लेखनी मे आ मुहर सँ लिखल चिट्ठी सभ देखौलनि । आ जखन हाइकर ई देखलकै तऽ ओकर अंग-अंग काँपि गेलै आ ओकर जीह एके बेर बान्हल गेलै, आ ओ डर सँ एक शब्द बाजि नहि सकलै; मुदा ओ अपन माथ धरती दिस लटकौने रहथि आ गूंग भ' गेलाह। अहिकर के कहानी 3:34

फारो ई बात सुनि कऽ ओ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह आ अपन जीहक स्वतंत्रता आ बाजबाक सुखदता देखि ओ आश्चर्यचकित भऽ गेलाह। अहिकर के कहानी 5:26

फारो अपन जीहक स्वतंत्रता आ उत्तर देबाक साहस देखि भ्रमित भ' गेलाह। तखन फिरौन अपन सिंहासन सँ उठि कऽ हाइकरक समक्ष ठाढ़ भऽ हुनका कहलथिन, 'हमरा आब कहू जे हम बुझि सकब जे अहाँक मालिक राजा केकरा सन छथि आ हुनकर कुलीन वर्ग केकरा सन छथि।' अहिकर के कहानी 5:49

हे हमर छौड़ा! हम अहाँक शुभकामना चाहैत छलहुँ, आ अहाँ हमरा बुराई आ घृणा केर इनाम देलियैक, आ आब हम अहाँक आँखि फाड़ि कऽ कुकुरक भोजन बना कऽ अहाँक जीह काटि कऽ तलवारक धारसँ माथ उतारि कऽ अहाँक घृणित काजक बदला दऽ देब।' अहिकर के कहानी 7:43

अहाँ सभ प्रभुक प्रजा बनब आ एक जीह रहब। बेलियारक कोनो धोखाक आत् मा नहि रहत, कारण ओ सदाक लेल आगि मे फेकल जायत। यहूदा के नियम 4:30

तेँ अहाँ सभ हमर भाइ सभ गाद आ दान जकाँ तितर-बितर भऽ जायब, आ अहाँ सभ अपन देश, गोत्र आ भाषा नहि बुझब। आशेर 1:44 के नियम

नीक मनक दूटा भाषा नहि होइत छैक, आशीर्वाद आ गारि, अपमान आ सम्मान, शोक आ आनन्द, शान्तता आ भ्रम, पाखंड आ सत्य, गरीबी आ धनक। मुदा एकर सभ मनुष् यक प्रति एकेटा स्वभाव अछि, जे अविनाशी आ शुद्ध अछि। बिन्यामीन के नियम 1:37